शांति शिक्षा एवं सतत् विकास

उद्देश्य

- शिक्षा के द्वारा व्यक्तियों में शांति के प्रति झुकाव पैदा करना।
- प्रशिक्षुओं के भीतर उन सामाजिक कौशलों और अभिरुचियों का पोषण, जो दूसरों के साथ सामन्जस्यपूर्ण जीवन जीने के लिये आवश्यक है, विकसित करना।
- धर्मनिरपेक्ष संस्कृति का निर्माण एवं तत्संबंधी कर्तव्यबोध से अवगत कराना।
- लोकतांत्रिक संस्कृति के सृजन हेतु प्रशिक्षु को प्रशिक्षित करना।
- राष्ट्रीय अखण्डता का महत्व एवं विकास में भूमिका से अवगत कराना।
- विश्व बन्धुत्व की भावना विकसित करना।
- भौतिक एवं आध्यात्मिक उन्नति हेतु शांति शिक्षा के तत्वों को समझाना।
- शांतिपूर्ण जीवनशैली हेतु प्रेरित करना।

प्रशिक्षण प्रक्रिया/विधियाँ

प्रशिक्षुओं के मध्य विषयवस्तु को अधिकतर प्रयोग की जा सकने वाली शिक्षण विधियों के माध्यम से रखने का प्रयास किया जाए। प्रशिक्षण शैक्षिक गतिविधियों पर आधारित हो। प्रशिक्षण के समय सीखने एवं सिखाने की प्रक्रिया में प्रशिक्षुओं को सहभागी बनाया जाए। साथ ही, उन्हें अपने शिक्षण में बच्चों का सहयोग एवं उनकी सहभागिता सुनिश्चित करनी है, यह बताया जाए। यथासम्भव आई0सी0टी0 के माध्यम से विषयवस्तु को प्रस्तुत करने का भी प्रयास किया जाए।

प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षु का निर्धारित प्रारूप पर सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन किया जाए, जिससे कि वह इस प्रक्रिया से परिचित हो जाए तथा इसकी प्रयोग–विधि सीख सकें।

सामान्य विषय–4

शांति शिक्षा एवं सतत् विकास

कक्षा–शिक्षणः विषयवस्तु

- शांति शिक्षा की अवधारणा, शांति के लिये शिक्षा की वर्तमान आवश्यकता।
- शान्ति शिक्षा में भारतीय जीवन मूल्य, शान्ति कौशल, शान्ति अभिवृतियां।
- व्यक्तित्व एवं सामाजिक विकास (Personality and Social Development), व्यक्तित्व, व्यक्तित्व का स्वरूप, विकास और निर्धारण, आदत एवं स्वभाव (चित्तप्रवृत्ति) (Habits and Temprament), स्व जागरूकता (Self awareness), व्यक्तित्व विकास में वातावरण का प्रभाव। व्यक्तित्व के 5 बड़े गुण (Big Five Personality Traits)-खुलापन (Openness), चैतन्यता (Conscientiousness), बहिर्मुखता (Extraversion), सहमतिजन्यता (Agreeableness), स्नायुविकृति (Neuroticism), व्यक्तित्व की सामाजिकता और शान्ति।
- सहपाठी के आन्तरिक सम्बंधों की समझ एवं आपसी सम्बंधों का विकास–
  (Devlopment of peer Relationship and Interpersonal understandings)
  (क) बच्चों के विकास में उसके साथियों की भूमिका (Role of Peers in children's development)
  (ख) साथी के सम्बंधों की विशेषता (characteristic of Peer Relationship)
  (ग) सामाजिक बोध (Social cognition)
  (घ) अक्रामकता (Aggression)
  (ड) तकनीकी एवं साथी सम्बंध (Technology and Peer Relationship)
  (च) साथी सम्बंधों में विविधता एवं सामाजिक बोध (Diversity in Peer Relationships and social cognition)
  (छ) स्वस्थ साथ–सम्बंधों को बढ़ावा (Promoting Healthy Peer Relationships)।
- चरित्र एवं नैतिक शिक्षा, सामाज अनुकूल विकास, (Character and Moral Education.Pro-Social Development), बच्चों के चरित्र निर्माण में माता–पिता तथा परिवार के सदस्यों का योगदान। इसे अच्छा बनाने में कुशल शिक्षक का महत्व।
- व्यवहारवाद में उद्दीपन एवं अनुक्रिया (Behaviorism Stimuli and Responses), शान्ति के लिए निर्माणकारी व्यवहार के प्रोत्साहन हेतु रणनीति (Strategies for encouraging Productive Behaviours), अवांछित व्यवहार को सकारात्मक तरीके से हतोत्साहित करने की रणनीतियाँ (Strategies for discouraging Undesirable Behaviours in a positive way), सकारात्मक व्यावहारिक हस्तक्षेप और सहयोग (Positive Behaviour Intervention Support)।
- हिंसा क्या है और यह क्या करती है? (a) हिंसा के प्रकार (i) मौखिक (Verbal) (ii) मनोवैज्ञानिक (Psychological) (iii) शारीरिक (Physical) (iv) ढांचागत (Structural) (v) लोकप्रिय संस्कृति में अश्लीलता (Vulgarity in Popular Culture)।

  (b) हिंसा के मोर्चे (Frontiers of Violence)–(i) जाति (Caste) (ii) लिंग (Gender) (iii) भेदभाव (Discrimination) (iv) भ्रष्टाचार (Corruption) (v) साम्प्रदायिकता (Communalism) (vi) विज्ञापन (Advertisement) (vii) गरीबी (Poverty)

  (c) हिंसा का खतरा (Perils of Violence)

(d) मीडिया और हिंसा (Media and Violence)

(e) विवादों के शांतिपूर्ण हल (Peaceful Resolution of conflicts)

(f) विवादो के बाद समझौता (Reconciliation after conflits)

- भारत में शान्ति हेतु दार्शनिक चिन्तन, गाँधी दर्शन और शान्ति।
- तनाव प्रबंधन (Stress Management), आन्तरिक शांति–अष्टांग योग; यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार धारणा, ध्यान, समाधि।
- शांतिमूल्य, मानवाधिकार और लोकतंत्र, भारत में धार्मिक सहिष्णुता एवं राष्ट्रीय एकता, वैश्वीकरण और शान्ति।
- सतत् विकास (Sustainable Development), सतत विकास का अर्थ एवं आवश्यकता (Meaning and need) पर्यावरण एवं सतत् विकास (Environment and Sustainable Development) ।

प्रयोगात्मक कार्य/सत्रीय/प्रोजेक्ट कार्य/मॉडलः प्रशिक्षु शिक्षकों को शांति शिक्षा एवं सतत् विकास के प्रत्येक पाठ में अन्तर्निहित ज्ञान, संकल्पना को बच्चों तक पहुँचाने के लिए प्रोजेक्ट, मॉडल, Game, Video clip, Audio clip, Experiment तैयार करने का कार्य दिया जायेगा। तैयार किये जा सकने वाले मॉडल/प्रोजेक्ट की सांकेतिक सूची सहायतार्थ निम्नवत् है। शिक्षकगण अन्य विषयों पर भी मॉडल/प्रोजेक्ट का निर्धारण कर सकते हैं।

- व्यक्तित्व के गुणोंः– खुलापन, चैतन्यता, बहिर्मुखता, सहमतिजन्यता, स्नायुविकृति एवं इनके समाजिक महत्व पर पॉवर प्वांइट प्रस्तुतीकरण /चार्ट तैयार करें।
- मानवीय गुण व्यक्तित्व की सामाजिकता और शान्ति।
- तनाव प्रबंधन, आन्तरिक शांति, अष्टांग योग; यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार धारणा, ध्यान, समाधि पर मॉडल/प्रोजेक्ट/ पॉवर प्वांइट प्रस्तुतीकरण /चार्ट तैयार करें।
- शांतिमूल्य, मानवाधिकार पर मॉडल/प्रोजेक्ट/ पॉवर प्वांइट प्रस्तुतीकरण /चार्ट तैयार करें।
- मीडिया और हिंसा पर प्रोजेक्ट/ पॉवर प्वांइट प्रस्तुतीकरण /चार्ट तैयार करें।
- हिंसा के कारणों एवं प्रकार पर पॉवर प्वांइट प्रस्तुतीकरण /चार्ट तैयार करें।
- बच्चों के चरित्र निर्माण में परिवार के सदस्यों का योगदान को पॉवर प्वांइट प्रस्तुतीकरण /चार्ट पर प्रस्तुत करें।
- पर्यावरण एवं सतत् विकास पर मॉडल/प्रोजेक्ट/प्रस्तुतीकरण/चार्ट तैयार करें।